विधान सभा सचिवालय
मध्यप्रदेश
समाचार

पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन आज से
सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष 3 फरवरी को करेंगी.

भोपाल दिनांक 1 फरवरी , 2010

देश के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों एवं सचिवों का 74वां वार्षिक सम्मेलन आज 2 फरवरी से आयोजित किया जा रहा है. इस सम्मेलन में विधानसभाओं के कामकाज, विधायी कार्यों के निष्पादन तथा सदन के सुचारू रूप से संचालन आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी. यह सम्मेलन 6 फरवरी तक चलेगा.

पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 20 वर्षों बाद आयोजित हो रहा है. इसके पूर्व यह वर्ष 1989 में प्रदेश में आयोजित हुआ था. इस सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार सहित राज्यसभा के उपसभापति श्री के रहमान खान, लोक सभा उपाध्यक्ष श्री करिया मुंडा, राज्यसभा के महासचिव के अलावा देश की 36 राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव विधान परिषदों के सभापति, उपसभापति प्रमुख सचिव और सचिव भाग लेंगे.

सम्मेलन में सदनों के सुचारु रुप से संचालन आदि विषयों सहित निर्धारित एजेण्डे पर विचार विमर्श किया जायेगा.

सम्मेलन में प्रथम दिन 2 फरवरी को सचिवों का सम्मेलन आयोजित होगा. 3 फरवरी को पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार द्वारा उनके उद्घाटन भाषण से होगा. इस मौके पर मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी स्वागत भाषण देंगे. इसी दिन निर्धारित बिन्दुओं पर पीठासीन अधिकारियों द्वारा चर्चा की जायेगी. इसके पूर्व लोकसभा अध्यक्ष के विधानसभा परिसर में प्रातः 9 बजे आगमन के बाद उन्हें गार्ड ऑफ आनर दिया जायेगा. वे इसके तुरन्त बाद प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगीं. 4 फरवरी को भी पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में निर्धारित एजेण्डे एवं प्रस्तावों पर विचार होगा.

5 फरवरी को पर्यावरण और वन्य जीव संरक्षण की जरूरतों को पूरा करने की आवश्यकता विषय पर चर्चा होगी. लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगीं. इस संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान देंगे. विधान सभा अध्यक्ष स्वागत भाषण देंगे.

इसी के बाद लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगी. सभी अतिथियों को मध्यप्रदेश के लघु और ग्रामीण उद्योगों के संबंध में अवगत कराने के लिये भोपाल हाट का अवलोकन भी कराया जायेगा.

6 फरवरी को प्रातः 8.30 बजे सम्मेलन में आये अतिथि सांची भ्रमण पर जायेंगे. वे वन विहार, भारत भवन एवं राज्य संग्रहालय का अवलोकन भी करेंगे.

परंपरानुसार पीठासीन अधिकारी सम्मेलन एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम सदन में होगा. सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान किये जायेंगे.

प्रदर्शनी

सम्मेलन के दौरान 3 फरवरी से भारत में प्रजातंत्र-भूतकाल से वर्तमान काल तक का आयोजन किया जा रहा है. इस प्रदर्शनी में प्राचीन काल से आज तक की संसदीय संस्थाओं तथा देश में प्रजातांत्रिक परंपराओ को प्रस्तुत किया गया है. इसके अलावा मध्यप्रदेश के विकास को दर्शानेवाली जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी भी होगी.

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सम्मेलन के दौरान प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है. इसके अनुसार 2 फरवरी को सुश्री सुहासिनी मुले, 3 फरवरी को भूपेन्द्र मिताली का गजल गायन, 4 फरवरी को मैहर बैण्ड एवं पं. छुन्नूलाल मिश्र वाराणसी का कार्यक्रम एवं 5 फरवरी को सुश्री सविता देवी, गुड़गांव का कार्यक्रम होगा.

(दीपक दुबे)

वि.स./ जनसंपर्क/ समाचार/2010 सूचना अधिकारी